DSSSB TGT & PGT

Part-B

SCHOLAR BATCH

INDIAN ECONOMY

Poverty

Part -14

LIVE 19-07-2024 08:00 PM

पूंजी बाजार
Capital Market

- भारतीय वित्तीय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण अंग है।
- यह दीर्घकालीन कोषों से सम्बोधित बाजार होता है।
- यहां ऋण पत्रों एवं अंशपत्रों के माध्यम से पूंजी का व्यापार होता है।

पूंजीबाजार

1. दीर्घकालीन कोष से सम्बंधित बाजार है।

2. लेनदेन -
   1. अंश (Shares)
   2. ऋणपत्र (Debentures)
   3. बॉण्ड्स (Bonds)
   4. सरकारी प्रतिभूतियां (govt. Security papers)

मुद्राबाजार

1. अल्पकालीन कोष से सम्बंधित बाजार है।

2. लेनदेन -
   1. ट्रेजरी बिल (Treasury Bills)
   2. वाणिज्यिक बिल पत्र (Commercial papers)
   3. व्यापार पत्र (Business letters)
   4. जमा पत्र (Deposite letters)

पूंजी बाजार	मुद्रा बाजार
3. माग = Mutual Funds Agents (Brokers) निवेशक	3. माग = Commercial Banks. RBI NBFC's.
4. नियंत्रण = SEBI.	4. नियंत्रण = RBI.

पूंजी बाजार

प्राथमिक पूंजीबाजार

1- पहली बार प्रतिभूतियां विक्रय होती हैं

2. सर्वथा नई पूर्ति में व्यापार होता है

3. New issue से सम्बन्धित बाजार है

4. घरेलू व विदेशी दोनों प्रकार के कोषों की उगाही की जाती है

द्वितीयक पूंजीबाजार

1. पूर्व में निर्गमित प्रतिभूतियों का इसमें व्यापार होता है

2. इसके अन्तर्गत स्टॉक एक्सचेंज आते हैं

IPO (Initial public offer) = जब पहली बार किसी कम्पनी द्वारा अपना Share जारी करने के लिए Market में लाया जाता है।

FPO (Follow on public offer) = कोई भी कम्पनी जो पूर्व में अपना शेयर जारी कर चुकी है, इसके द्वारा पुनः पैसों की उगाही के लिए शेयर जारी करना।

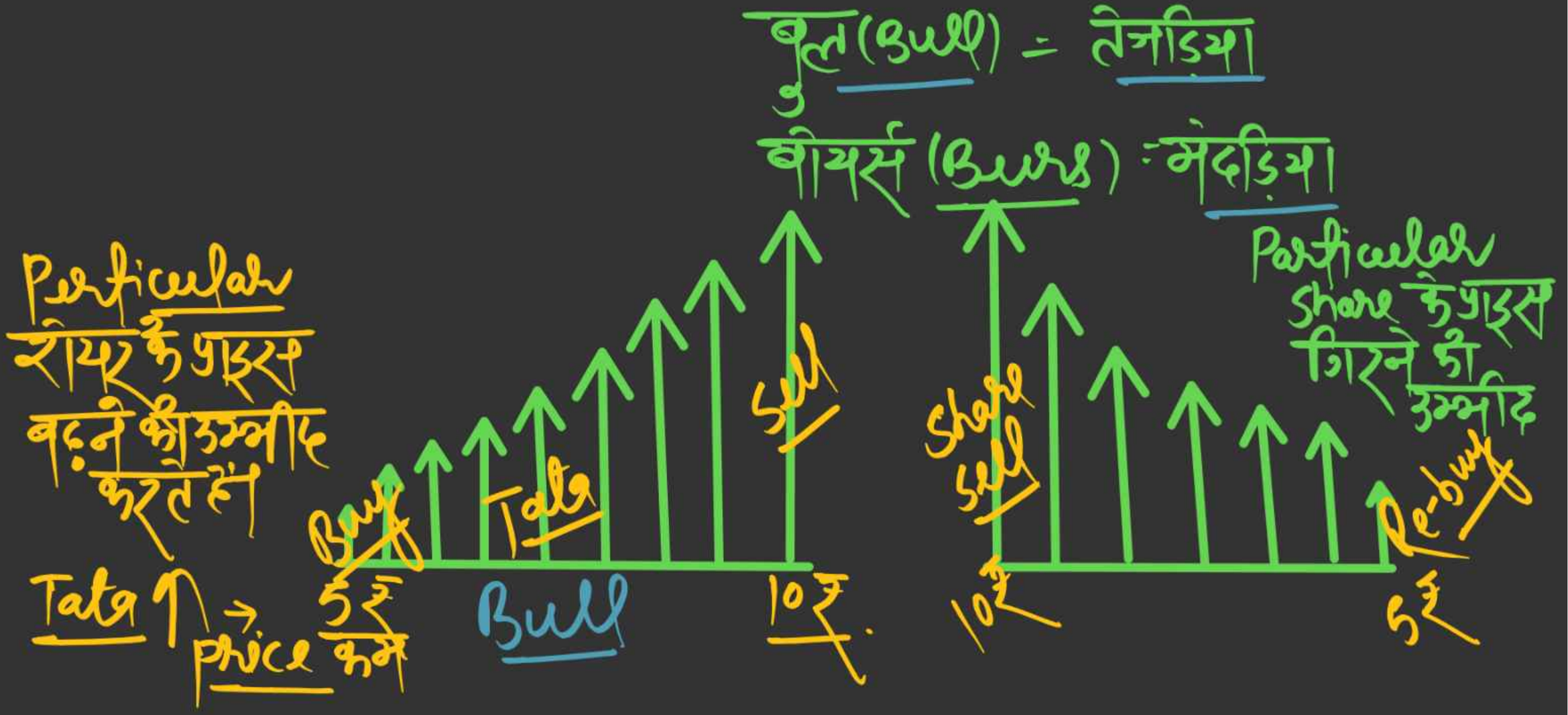

बुल (Bull) = तेजड़िया

बीयर्स (Bears) = मंदड़िया

Particular शेयर के प्राइस बढ़ने की उम्मीद करते हैं

Tata ↑ → price कमे

Particular share के प्राइस गिरने की उम्मीद